भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 120

उत्तर देने की तारीख 3 फरवरी, 2025

सोमवार, 14 माघ 1946 (शक)

झारसुगुड़ा और बरगढ़ में कौशल विकास केंद्र

120. श्री प्रदीप पुरोहित:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या ओडिशा के झारसुगुड़ा और बरगढ़ जिलों में कई युवा रोजगार खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या इन जिलों में उद्योगों में उनकी रोजगार नियोजनीयता बढ़ाने के लिए कोई विशिष्ट कौशल विकास पहल की गई है;

(ग) क्या सरकार का स्थानीय औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के लिए आवश्यक कौशल से युवाओं को लैस करने के लिए उपर्युक्त जिले में कौशल विकास केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) रोज़गार और बेरोज़गारी पर आधिकारिक डेटा वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफ़एस) के ज़रिए एकत्र किया जाता है, जिसे सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा 2017-18 से आयोजित किया जाता है। सर्वेक्षण की अवधि हर साल जुलाई से जून तक होती है।

नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, ओडिशा राज्य में 15-29 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए सामान्य स्थिति पर अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) 2017-18 में 23.6% से घटकर 2023-24 में 11.11% हो गई है। साथ ही, ओडिशा राज्य में 15-29 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए सामान्य स्थिति पर रोजगार का संकेत देने वाला अनुमानित श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 2017-18 में 28.5% से बढ़कर 2023-24 में 46.3% हो गया है।

(ख) कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) अपनी विभिन्न प्रमुख योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के माध्यम से देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल विकास प्रशिक्षण (कौशल, पुनः कौशल और अपस्किलिंग) प्रदान करता है।

(i) पीएमकेवीवाई के तहत, देश भर के युवाओं को शॉर्ट-टर्म ट्रेनिंग (एसटीटी) के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है और पूर्व शिक्षण की मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से अप-स्किलिंग और री-स्किलिंग प्रदान की जाती है, जिसका उद्देश्य युवाओं को उद्योग से संबंधित कौशल से लैस करके रोजगार के अवसरों तक पहुँचने के लिए उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है। कवर किया गया आयु समूह एसटीटी के लिए 15-45 वर्ष और आरपीएल के लिए 18-59 वर्ष है। प्रशिक्षण अवधि एसटीटी के लिए 200-600 घंटे और आरपीएल के लिए 30-120 घंटे है। पीएमकेवीवाई योजना के तहत, योजना के पहले तीन संस्करणों में शॉर्ट-टर्म ट्रेनिंग (एसटीटी) घटक में प्लेसमेंट को ट्रैक किया गया था जो पीएमकेवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0 है जिसे 2015-16 से 2021-22 तक लागू किया गया है। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, हमारे प्रशिक्षित उम्मीदवारों को उनके विविध करियर पथ चुनने के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है और उन्हें इसके लिए उपयुक्त रूप से उन्मुख किया गया है। झारसुगड़ा और बरगढ़ जिलों में 2015-16 से 2024-25 (31.12.2024 तक) तक पीएमकेवीवाई में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की कुल संख्या क्रमशः 4,773 और 19,620 है।

(ii) जेएसएस योजना का उद्देश्य भारत सरकार से 100 प्रतिशत अनुदान के साथ पंजीकृत सोसायटियों (एनजीओ) के माध्यम से लाभार्थी के दरवाजे पर गैर-औपचारिक तरीके से कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है। योजना का उद्देश्य कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से स्व/मजदूरी रोजगार को बढ़ावा देकर घरेलू आय में वृद्धि करना है। जेएसएस का मुख्य लक्ष्य 15-45 वर्ष की आयु के गैर-साक्षर, नव-साक्षर और 8वीं कक्षा तक प्राथमिक स्तर की शिक्षा प्राप्त करने वाले और 12वीं कक्षा तक स्कूल छोड़ने वाले लोगों को व्यावसायिक कौशल प्रदान करना है। जेएसएस महिलाओं, अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अल्पसंख्यकों और समाज के अन्य वंचित समूहों को लचीला, सस्ता और सुलभ कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। 2021-22 से 2024-25 तक (26.01.2025 तक), जेएसएस के तहत बरगढ़ जिले में प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या 6,760 है। हालाँकि, झारसुगुड़ा में कोई जेएसएस चालू नहीं है।

(iii) राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) 2016 में शुरू की गई थी और इसे वित्त वर्ष 2022-23 से एनएपीएस-2 के रूप में जारी रखने के लिए बढ़ा दिया गया था। एनएपीएस-2 के तहत, प्रतिष्ठानों को प्रशिक्षुओं को 1500/- रुपये प्रति माह के आंशिक वजीफे के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अगस्त, 2023 से भारत सरकार (जीओआई) द्वारा वजीफा सहायता का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे प्रशिक्षुओं के बैंक खाते में किया जाता है। इन दोनों जिलों में लगे प्रशिक्षुओं की कुल संख्या 1,979 है। झारसुगुड़ा और बरगढ़ में लगे प्रशिक्षुओं की संख्या क्रमशः 1,689 और 290 है। ये आंकड़े 2018-19 से 2024-25 (31.12.2024 तक) के हैं। इसी अवधि में, बारगढ़ में प्रशिक्षुओं को नियुक्त करने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या 22 और झारसगुड़ा में 42 है।

(iv) एमएसडीई के तत्वावधान में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) देश के युवाओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के नेटवर्क के माध्यम से अपने शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत दीर्घकालिक प्रशिक्षण लागू कर रहा है। ओडिशा राज्य में कुल 501 आईटीआई हैं, जिनमें से 473 निजी आईटीआई हैं और 28 सरकारी आईटीआई हैं। झारसुगुड़ा जिले में 7 आईटीआई (1 सरकारी और 6 निजी) और बरगढ़ में 11 आईटीआई (3 सरकारी और 8 निजी) हैं। झारसुगुड़ा और बरगढ़ जिलों में नामांकित उम्मीदवारों की कुल संख्या क्रमशः 8,071 और 8,830 है (2014 से 2024 तक)।

(v) माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 17.09.2023 को पूरे देश में पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू की गई थी। इस योजना का उद्देश्य विश्वकर्माओं को उनके व्यवसाय के विस्तार के लिए आधुनिक उपकरणों, तकनीकों और ऋण सहायता के ज्ञान के साथ कौशल प्रदान करना है। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत लाभार्थी की न्यूनतम आयु पंजीकरण की तिथि पर 18 वर्ष है। एमएसडीई योजना के कौशल घटक को लागू कर रहा है। 30.01.2025 तक, पूरे भारत में 17.41 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और मूल्यांकन किया गया है, जिनमें से 0.47 लाख उम्मीदवारों को ओडिशा राज्य में प्रशिक्षित और मूल्यांकन किया गया है। इन दो जिलों में कुल 491 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और मूल्यांकन किया गया है।

(ग) और (घ): एमएसडीई की योजनाओं का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार और उद्योग के लिए तैयार कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। ये योजनाएँ मांग आधारित हैं और देश भर में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यकता के आधार पर नए प्रशिक्षण केंद्र (टीसी) स्थापित/संलग्न किए जाते हैं। ओडिशा के झारसुगुड़ा और बरगढ़ जिलों में एमएसडीई की विभिन्न योजनाओं के तहत स्थापित/संलग्न प्रशिक्षण केंद्रों का विवरण इस प्रकार है:

योजना	**झारसुगुड़ा**	**बरगढ़**
पीएमकेवीवाई	05	01
जेएसएस	00	01
एनएपीएस (प्रतिष्ठानों की सं.)	42	22
सीटीएस (आईटीआई)	07	11
पीएम विश्वकर्मा	01	05

*****